केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २

रविवार, १ मार्च, २०१५ **समय : दोपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण (३८)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण (३७)		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

परिचय-२

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''तब इन्होंने अपने अन्तर में मुझे बैठा रखा था । अत: आप ऐसा समझो कि उस अवस्था में मैंने ही खाए हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''कच्छ में रोटी भी नहीं मिलेगी ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''दादाखाचर की छत की जलकियों का ध्यान करो ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. संतों हरिभक्तों ने गलुजी की बहुत प्रशंसा की ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. राजकुमार ने गले पर बंधी पट्टी के विषय में कुछ नहीं पूछा ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ६		नाम

३. रामानुजानन्द स्वामी ने स्वर्ण स्तंभ मंदिर की गद्दी लेने से मना कर दिया ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ 'राजबाई' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – ३ गुण – ५		नाम	प्र – ४ गुण – ५		नाम

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞		☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित पश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. मन कब स्थिर होता है ? | गुण : १ | |

....

....

२. श्रीजीमहाराज ने कुश्ती लड़ते लड़ते नाजा जोगिया को क्या किया ? | गुण : १ | |

....

....

३. आंतरिक कुसंग अर्थात् क्या ? | गुण : १ | |

....

....

४. दामोदरभाई को नथुभट्ट से वादविवाद हुआ उसमें नथुभट्ट पहले क्या कह रहे थे ? | गुण : १ | |

....

....

५. संवत् १८६५ में काशीदास से श्रीजीमहाराज ने क्या स्वीकार किया था ? | गुण : १ | |

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞		☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ ''जैसे गाय बछड़े के .....'' – **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए । (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम	प्र - ६ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. दुर्गपुर खेल .....

.....

.....

..... थकी न्यारी ॥ गुण : २

२. जे स्वामिनारायण .....

.....

.....

..... कोण एनुं ॥ गुण : २

३. भववारिधिमोक्षसाधनं .....

.....

..... भजे सदा ॥ गुण : २

४. ''ध्यायतो ..... कामात्क्रोधोभिजायते ॥'' - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए ।

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		नाम

विभाग - २ : प्रागजी भक्त

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''यह तो हज़ारों से भगवान का भजन करवाएगा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''इस मूर्ति की नासिका तनिक लम्बी है, महाराज की नासिका इतनी लम्बी नहीं हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''जो आनन्द तुम्हें प्राप्त है, वह दुसरों को भी प्राप्त कराओ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. विठ्ठलभाई ने हनुमानजी पर तेल चढ़ाया पर उनकी पुत्रवधू ठीक नहीं हुई ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. माना भगत चुप हो गए ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ६		नाम	प्र - ९ गुण - ५		नाम

३. भगतजी के अन्तिम संस्कार जाति की रीति के अनुसार किया ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ९ 'अब मैं प्रागजी द्वारा प्रगट रहूँगा' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए ।**
(वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ५		नाम	प्र - ११ गुण - ६		नाम

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. एक हरिभक्त ने कहा, 'गृहस्थ होकर तुम साधु के सिर पर हाथ फेर रहे हो ?' तब भगतजी ने क्या कहाँ ? | गुण : १ |

.....

.....

२. महुवा जाने के लिए तैयार हुए प्रागजी भक्त को किस ने क्या दिया ? | गुण : १ |

.....

.....

३. साक्षात्कार के प्रसंग पर श्रीजीमहाराज ने प्रागजी भक्त को प्रथम बार किस रूप में दर्शन दिए ? | गुण : १ |

.....

.....

४. भादरोड में भगतजी महाराज की आज्ञा से यज्ञपुरुषदासजी ने कितने रोटले खाये ? | गुण : १ |

.....

.....

५. भगतजी ने हरिभक्तों के कल्याण के लिए कितनी जपमाला फेरी ? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. प्रागजी भक्त वाघा खाचर की सेवा में | गुण : २ |

(१) [ ] स्वामी की महिमा की बातें भी करते । (२) [ ] वाघा खाचर के पैर दबाते ।

(३) [ ] वाघा खाचर को रसोई बना कर खिलाते । (४) [ ] सेवक के बिना रह नहीं सकते थे ।

२. पेटलाद के रावसाहब के फौजदार | गुण : २ |

(१) [ ] ये तो साक्षात् खुदा है ।

(२) [ ] संतों को खुदा के फकीर कहा ।

(३) [ ] कोठारीओं को भगतजी को छोडने की मना की ।

(४) [ ] भगतजी लकडियों से या पथ्थर से मारें फिर भी छोडना मत ।

३. जूनागढ़ की ओर दृष्टि का रहस्य | गुण : २ |

(१) [ ] जूनागढ़ के 'योगी' महाराज के रहने का स्थान अक्षरधाम का प्रकट स्वरूप हैं।

(२) [ ] जूनागढ़ के 'आचार्य' महाराज के रहने का स्थान अक्षरधाम का प्रकट स्वरूप हैं।

(३) [ ] आचार्य महाराज से श्रीजीमहाराज तनिक भी दूर नहीं हैं ।

(४) [ ] गुणातीतानंद स्वामी से श्रीजीमहाराज तनिक भी दूर नहीं हैं ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ६		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **जूनागढ़ में अपूर्व सम्मान :** संवत् १९५४ में गढ़डा में हरिजयंती महोत्सव के अवसर पर महापुरषदासजी ने कोठारी महाराज से आग्रह कर भगतजी को गढ़डा निमंत्रित करने का सूचना पत्र लिखवाया ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **शास्त्री यज्ञपुरुषदासजी ने भगतजी को गुरु स्वीकार किया :** कृष्णस्वरूपदासजी महापुरुषदासजी के जोडिया पार्षद थे । एक बार कृष्णस्वरूपदासजी ने आचार्य महाराज से विनती की कि मुझे महापुरुषदासजी से श्रीजीमहाराज की तसवीर दिलवा दो ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **कंटकाकीर्ण मार्ग-विरोध का आरम्भ :** इस उत्सव में जागा भक्त सैंकड़ो संतों को वार्ता कहकर आनन्दित करते। सुबह होने तक उनकी आध्यात्मिक गोष्ठि चलती ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **वांसदा के दीवान के साथ सत्संग :** हरिकृष्ण महाराज और महंत की आज्ञा मिलते ही यज्ञपुरुषदासजी तीन-चार हरिभक्तों के साथ वलसाड़ होते हुए धरमपुर पधारे ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **अन्तिम लीला :** यज्ञप्रियदासजी को भादरोड आने के लिए अक्षरपुरुषदासजी ने हाँ कर दिया । उनका मन तो अक्षरपुरुषदासजी में अखण्ड रहता था ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **भगतजी के संत कठिनाई में :** सोरठ में भगतजी के दर्शन से बहुत बड़ी संख्या में अनेक शिष्य बन गए । मांगरोल के मगनलाल को अखण्ड कथा की लगनी लग गई ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**